सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन जुलाई 2013

क्या आप बाहरी तौर पर खूबसूरत दिखना चाहते हो?

तो अपनी अंदरुणी खूबसूरती संभालो **जागते रहो** और **प्रार्थना करो।**

हम मनुष्य तीन तत्वों से बने हुए वो ढाँचे हैं, जिसमे शरीर, आत्मा और प्राण का समाविष्ट है। जब हम मरते है, तब हमारा शरीर सड़ता है, और मिट्टी मे मिल जाता है (उत्पत्ति ३:१९)। परंतु हमारी आत्मा, जो परमेश्वर की साँस है, और हम सभी के अंदर बस्ती है, वह स्वर्गीय पिता के पास फिर से लौट जाती है। और हमारा प्राण, हमारे कर्मो के अनुसार या तो स्वर्ग में जाता है, या फिर नरक में।

आज, बहुत से लोग केवल अपने शरीर पर ही ध्यान देते है। लोग व्यायामशाला, स्वास्थ्य केंद्र, ब्यूटी पार्लर जैसे बहुत सी जगह जाते है, ताकि वे बाहरी तौर पर खूबसूरत दिखे। परंतु मनुष्य के अंदर, उसका प्राण ही सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। लोग आपकी बाहरी खूबसूरती देखते हैं, परंतु परमेश्वर आपके दिल को देखते है। अगर आपका दिल सही जगह पर है, और आप अपने प्राणों को संभालते हो, तो आपका शरीर स्वयं अपने आपको संभालेगा।

इसी कारण अध्याय कहता है, शरीर प्रभू के लिए और प्रभू शरीर के लिए। क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिये गए हो, इसलिए अपने शरीर के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो। (कुरिन्थियों ६:१३, १९, २०)

येशू मसीह को क्रुसपर पर चढ़ाने से पहले उन्होंने अपने सारी शिष्यों को "जागते रहो" और "प्रार्थना करो" यह आखरी आदेश दिया। येशूने ऐसे कहा क्योंकि वे जानते थे कि मनुष्य का प्रलोभन में गिरना और उसमे फँसना यह प्रवृत है। इस दुनिया की मोह माया, और चकाचौंध में हम आसानी से फँस जाते है। आखिरकार, हम हव्वा की संतान है। शैतानने आसानी से हव्वा को परमेश्वर के खिलाफ पाप करने के लिए तैयार किया क्योंकि हव्वा में लालसा को तोडने की कोई इच्छा नहीं थी। हव्वाने जो देखा, उसे पसंद आया और वह उसे आजमाना चाहती थी। हम भी ऐसे ही हैं। जब हम कुछ आकर्षित देखते है, तो हम भी उसे पाना चाहते है, बेपरवाह होते हुए कि हमारे लिए अच्छा है, या नहीं।

हम अपने दिल और मन की गहराई में जानते है, क्या करना उचित होगा। मगर हम अपनी शारीरिक इच्छाओं को वश में नहीं कर पाते। इसी लिए येशू हमे जागते रहने और प्रार्थना करने का उपदेश देते है। "जागते रहो" का मुख्य अर्थ भले ही शारीरिकता से संबंधित हो परंतु इसका आत्मिक अर्थ और भी गहरा है। "जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पड़ो: आत्मा तो तैयार है (इरादे नेक है), परंतु शरीर दुर्बल है (मात्र मनुष्य की इच्छाशक्ति)।"

आत्मिक जागृती के साथ प्रार्थना करना यह आपको लालसा से दूर रहने और मुश्किल हालातों पर विजय पाने के लिए शक्ति देगा। और अगर आप अंदर से साफ हो तो उसकी चमक बाहर भी उमडेगी।

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

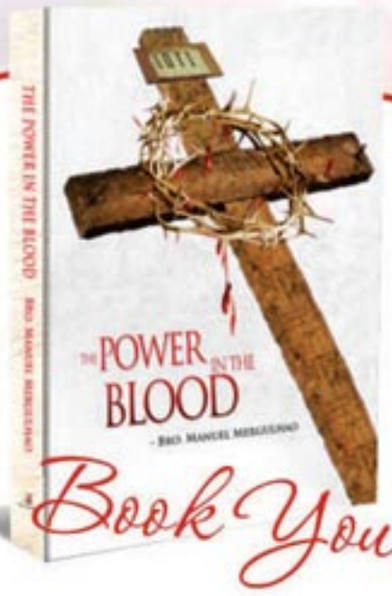

Book Your Copy Today!

इस किताब को पढ़े, यह तीन भागों का संम्मिलन हैं – येशू का लहू, लहू में सामर्थ, और लहू में आनंतकाल का जीवन। यह आपके मन को नया बनाएगा और साथ ही आपको प्रोत्साहित करेगा कि आप अपना जीवन भरपूर्ता से जीये और जो जीवन मुक्त करने का सामर्थ येशू मसीह के लहू में उसे खोलने में आपकी मदत करेगा।

आपके स्वप्नों में

हम भलीभाँति जानते है कि हम खूद के ही शब्दों और कर्मो के लिए जिम्मेदार है। इसी कारण, पवित्र शास्त्र हमे निश्चित रुप से बुद्धिमान बनने, हमारे हृदय और मन की रखवाली करने और हर कीमत पर पाप से दूर रहने की सलाह देता है।

परंतु उन पापों का क्या जो हम सोते हुए अपने सपनों में करते है? मै उन चीजों के बारे में बोल रहा हूँ, जो होश में होते हुए हम करने की हिम्मत कभी भी नहीं कर सकते, लेकिन यहीं चीजें हम सपनों में पूरी हिम्मत (मजा उठाते हुए) से करते हुए देखते है। क्या हम इनके लिए भी जिम्मेदार है?

हाल ही में कुछ लोग इसके बारे में चर्चा कर रहें थे। और उन में से कुछ लोग इस बात को लेकर बडे ही चिंतित थे। तब एक स्त्रीने बात को घूमाते हुए कहा (मै उसका अवतरण आपको देता हूँ): "ऐसे बहुत सारे पाप है जो हमने जागते हुए किये है और जो हमे कबूल करते है; तो मुझे नहीं लगता की परमेश्वर हमे उन पापों के लिए जिम्मेदार ठहराऐंगे जो हमने सोते हुए अपने निंद में किए है!" फिर मजाक ही मजाक में उसने यह कबूल किया की वह इन पापों का मजा "फ्री पास" के तौर पर लेती है।

यह सुनकर लोग हंसे और वहाँ से चले गए। लेकिन कुछ जो वही रुके रहे वह उसकी कही हुयी बातों पर विचार कर रहे थे। अब हमारी बारी

अवश्य परमेश्वर हमे उन पापों के लिए शयद जिम्मेदार न माने जो हम अपने नींद मे करते है... परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि इनका कोई परिणाम नहीं होगा।

चलो इसे और आसान बनाए।

शैतान हमारी सारी कमजोरियाँ जानता है और उन्हें हमारे विरुद्ध इस्तमाल करने की पूरी कोशिश करता है। वह चाहता है कि हम हार जाए। परंतु परमेश्वर सतर्कता से हमारी खबर रखते है, और चाहते है, कि हम सदैव तैयार रहें। वे हमे कुछ सपने देखने की अनुमति देते है ताकि हम यह जाने कि हमारा स्थान क्या है। क्या आपने कभी यह कहावत सुनी है: "जो सपना आप देखते हो, आप वो कर सकते हो?"

अगर, सपनों में आप अपने आपको कुछ ऐसा करते हुए देखते हो जो आपको नहीं करना चाहिए, तो आपको अपने घुटनों पर आकर परमेश्वर से अनुग्रह और सामर्थ्य माँगना है ताकि आप इसका विरोध कर सके... क्योंकि लालसा आने को है और हमने इसके बारे में आपको पहले ही चेतावनी दी है।

जागते रहो और प्रार्थना करो।

– संपादकीय डेस्क

Retreat Land

In a far-away place called Vasai
A rugged land caught Bro. Manuel's eye
Don't ask me "How" & "Why"
But with all that we had in hand
The ministry bought that rugged land.

We said it is very far
Many chose to travel in their own car
The land had ups and downs
Rocks, boulders, thistles and thorns
But Bro. Manuel's vision it was
That's why some of us were "reborn".

But we have to walk and work
And subdue that soil
So that the Lord's plan for you
will not spoil. (Genesis 1:28)
The work on the land was quickly started
And people worked the land
With their skill (whole-hearted)

On the 8th of May 2013
The land looked green
With trees, vegetables, flowers
As in the photos seen that were projected
On the auditorium screen
And we can compare it
To what it has been.

Benedict Vivian Fernandez

"जीवन की रोटी" & "रोटी को तोड़ना"

वो कौन है जो फिर से, कभी भी भूखा न होगा?

केवल वो व्यक्ति जो परमेश्वर पर विश्वास करता है, उनसे खाता और उन्हीं में अपना जीवन जीता है और नाकी वो इन्सान जो परमेश्वर का प्रचार यूँ ही सुनता है या रोटी को तोड़ने में सहभागी होता है। ऐसे में, उनके अंदर अन्य खुदाओं के लिए ना तो आत्मिक भूख होती है और ना ही प्यास। वे उन से (परमेश्वर) ही संतुष्ट और तृप्त होते है। वे कभी भी भूख मारी के हालात से पीड़ित नहीं होंगे। परमेश्वर ही उनके लिए सबकुछ है और इसलिए, परमेश्वर के साथ संगति कायम रखने और उसका मजा लेने के लिए, वे ऐसी किसी भी चीज की इच्छा नहीं करेंगे जो पाप होगा।

येशू मसीह यह व्यक्त करते है कि वे ही सच्ची रोटी है। जैसे शरीर के लिए रोटी आवश्यक हैं, वैसे ही प्राणों के लिए येशू, वे हमारे आत्मिक जीवन को पोषण देते है और उसे संभालते है। वे परमेश्वर की रोटी है, वो रोटी जो पिता (स्वर्गीय पिता) देता है, और जो हमारे प्राणों के लिए भोजन बनती है। सामान्य रोटी केवल जीवित शरीर के सामर्थ्य से ही पोषित होती है; परंतु मसीह स्वयं ही जीवित रोटी है, और खूद के ही सामर्थ्य से पोषण देते है।

अब हम क्रुस पर मसीह की मौत को भलिभाँति समझते है और यह बात सभी विश्वासुओं को और भी सामर्थ्य और दिलासा दिलाती है। येशू मसीह वो रोटी है, जो स्वर्ग से उतरी है। यह रोटी, येशू मसीह के दैविक व्यक्तित्व को दर्शाती है और हर एक अच्छाई की दैविक शुरुवात, जो उनके जरिये हम में बहती है, हम पर प्रकट करती है।

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

DAILY SCRIPTURE READING - JULY 2013

Date	Old Testament	Psalm	Proverbs	New Testament
July 1, 2013	1 Chronicles 26 & 27	Psalm 78:56-66	Proverbs 20:4-5	Acts 10:1-23
July 2, 2013	1 Chronicles 28 & 29	Psalm 78:67-72	Proverbs 20:6-7	Acts 10:24-48
July 3, 2013	2 Chronicles 1 & 2	Psalm 79:1-4	Proverbs 20:8-9	Acts 11:1-30
July 4, 2013	2 Chronicles 3 & 4	Psalm 79:5-10	Proverbs 20:10-12	Acts 12:1-25
July 5, 2013	2 Chronicles 5 & 6	Psalm 79:11-13	Proverbs 20:13-14	Acts 13:1-25
July 6, 2013	2 Chronicles 7 & 8	Psalm 80:1-6	Proverbs 20:15	Acts 13:26-52
July 7, 2013	2 Chronicles 9 & 10	Psalm 80:7-13	Proverbs 20:16-18	Acts 14:1-28
July 8, 2013	2 Chronicles 11 & 12	Psalm 80:14-19	Proverbs 20:19-21	Acts 15:1-21
July 9, 2013	2 Chronicles 13 & 14	Psalm 81:1-5	Proverbs 20:22-23	Acts 15:22-41
July 10, 2013	2 Chronicles 15 & 16	Psalm 81:6-10	Proverbs 20:24-25	Acts 16:1-21
July 11, 2013	2 Chronicles 17 & 18	Psalm 81:11-16	Proverbs 20:26-28	Acts 16:22-40
July 12, 2013	2 Chronicles 19 & 20	Psalm 82:1-8	Proverbs 20:29-30	Acts 17:1-15
July 13, 2013	2 Chronicles 21 & 22	Psalm 83:1-8	Proverbs 21:1	Acts 17:16-34
July 14, 2013	2 Chronicles 23 & 24	Psalm 83:9-18	Proverbs 21:2-3	Acts 18:1-28
July 15, 2013	2 Chronicles 25, 26 & 27	Psalm 84:1-7	Proverbs 21:4-5	Acts 19:1-20
July 16, 2013	2 Chronicles 28 & 29	Psalm 84:8-12	Proverbs 21:6-8	Acts 19:21-41
July 17, 2013	2 Chronicles 30 & 31	Psalm 85:1-7	Proverbs 21:9-11	Acts 20:1-16
July 18, 2013	2 Chronicles 32 & 33	Psalm 85:8-13	Proverbs 21:12	Acts 20:17-38
July 19, 2013	2 Chronicles 34, 35 & 36	Psalm 86:1-5	Proverbs 21:13-14	Acts 21:1-17
July 20, 2013	Ezra 1 & 2	Psalm 86:6-10	Proverbs 21:15-16	Acts 21:18-40
July 21, 2013	Ezra 3 & 4	Psalm 86:11-17	Proverbs 21:17-18	Acts 22:1-30
July 22, 2013	Ezra 5 & 6	Psalm 87:1-7	Proverbs 21:19-20	Acts 23:1-15
July 23, 2013	Ezra 7 & 8	Psalm 88:1-5	Proverbs 21:21-22	Acts 23:16-35
July 24, 2013	Ezra 9 & 10	Psalm 88:6-10	Proverbs 21:23-24	Acts 24:1-27
July 25, 2013	Nehemiah 1 & 2	Psalm 88:11-18	Proverbs 21:25-26	Acts 25:1-27
July 26, 2013	Nehemiah 3, 4 & 5	Psalm 89:1-4	Proverbs 21:27	Acts 26:1-32
July 27, 2013	Nehemiah 6 & 7	Psalm 89:5-10	Proverbs 21:28	Acts 27:1-26
July 28, 2013	Nehemiah 8 & 9	Psalm 89:11-18	Proverbs 21:29-31	Acts 27:27-44
July 29, 2013	Nehemiah 10 & 11	Psalm 89:19-29	Proverbs 22:1-2	Acts 28:1-31
July 30, 2013	Nehemiah 12 & 13	Psalm 89:30-37	Proverbs 22:3-4	Romans 1:1-32
July 31, 2013	Esther 1 & 2	Psalm 89:38-45	Proverbs 22:5-6	Romans 2:1-29

केवल प्रभू में बढ़ाई करो

हाल ही में, १७ मई से २१ मई तक जो वसई आउट्रीच हुई थी, वह वाकई "अग्नि से परिपूर्ण" सभा रही। तेज धूप होने के बावजूद, सूरज, परमेश्वर के पूत्र से अधिक ना चमक सका। इन तीन दिनों में, जो भी परमेश्वर के नाम के झण्डे तले इक्कट्ठा हुए, उन सभी को प्रभू की आत्माने चंगाई, मुक्ति और सेवा प्रदान की।

हम नाचे। हम गाये। हम चले। हम दौड़े। विश्राम किया। खाना खाया। और हम फिर से नये बन गए। और, हाँ, हमने "अग्नि को पकड़ा"।

ब्रदर मैन्युएलने, परमेश्वर के सिद्ध प्यार पर बात की:

आपके लिए उस शिक्षण का संक्षिप्त विवरण:

परमेश्वर हमेशा आपको उत्तम देते है। येशू, मनुष्यों को परमेश्वर द्वारा दिये गये बहतरीन वरदानों मे से एक है। परमेश्वर आपकी जरुरतें जानते है और सही समय पर वे आपको सबकुछ उपल्बद करवायेंगे। लेकिन बहुत सी बार हम परमेश्वर से उन चीजों को पाने मे नाकाम हो जाते हैं, जो उन्होंने हमारे लिए इकट्ठा कर रखी है क्योंकि हमने अपने दिल और मन के दरवाजों को बंद कर रखा है।

जीवन तनावग्रस्त है। मनुष्य को अपनी रोज की रोटी कमाने के लिए कठिन परिश्रम करना पडता है। येशू इस संसार में एक खास मकसद से आये ताकि वे पाप के हर एक बंधन को तोडे। उन्होंने कहा, "मै जीवन की रोटी हूँ।"

जब आप येशू को अपने जीवन के प्रभू और मालिक के रुप में स्वीकार करोगे, तब परमेश्वर की शांति शीघ्रता से आपके अंदर आएगी। आपकी आत्मा ताकतवर बनेगी और आपका शरीर चंगाई पाएगा।

उनके स्वर्गारोहण से पहले, येशूने अपने चेलों को एक महान आज्ञा दी और कहा, "तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परंतु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा। विश्वास करनेवालों में ये चिन्ह होंगे कि वे मेरे नाम से दुष्टात्माओं को निकालेंगे, नई नई भाषा बोलेंगे, साँपों को उठा लेंगे, और यदि वे प्राणनाशक वस्तु भी पी जाएँ तौभी उनकी कुछ हानि न होगी; वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, और वे चंगे हो जाएँगे।" (मरकुस १६:१५-१८)

जरुरी तौर पर, येशूने बिमारियों के खिलाफ कल्लिसियाँ को स्थापित किया। लेकिन, शक और अविश्वास आपके चंगाई पाने में सबसे बडी बाधा है। जो कुछ आपके इर्द गिर्द हो रहा है, उसपर ध्यान न देते हुए, अपनी आँखें केवल येशू पर ही लगाए रखो। चाहे कोई कुछ भी कहे, उनकी परवाह न करते हुए, आपको फैसला करना है, कि मुझे ठीक होना ही है और मै जरुर ठीक हो जाउँगा।

केवल प्रभू में ही बढ़ाई करना। याद रखो, परमेश्वरने आपसे पहले प्यार किया और अपने एकलौते पुत्र को मरने के लिए भेजा ... ताकि आप जीये।

K4C Corner

Bible Character Of The New Testament

Bartholomew
Dorcas
Elizabeth
Gaius
God
Herod
James
Jesus Christ
John
John The Baptist
Joseph
Judas
Lazarus
Luke
Lydia
Mary
Matthew
Nicodemus
Paul
Peter
Pharisees
Philemon
Pilate
Stephen
Timothy
Titus
Widow
Zacchaeus

G S W O E A Q
Z I U W E H L X O
C U Y E F T F U R T D
W I C H A W M B A E S R K
J O H N T H E B A P T I S T V
G O D D J O C K H R S E R M J J H
H R S I A O M C U S T E P H E N U B J
O P E W N A I A L A H Y D C A I D Y L
H C P P I S T Z S C O A W S U I A G G
J R H I C B L C E R L M X U J Z S W R
C R Q L O N A Q E O O Q T S N M J E L
F B W A D F Z F S D M S E E K U P Y P
V F H T E B A Z I L E P N J V Z F U E
O Z E M I R D R M W T S Q R K U C
Z G U K U M A T T H E W E W D
S S A S P H I L E M O N S
G Y E A P T Y R A M M
V Q C W U O O J T
L M H S E D R

बैक २ स्कूल

गर्मीयों का मौसम हूआ खतम और स्कूल हो गए शुरु! और अब तक आपकी समय प्राणली चाहे जो भी हो, लेकिन यह समय है कि आप अपने बच्चों को इस नये शैक्षिक वर्ष (अकादमिक वर्ष) के लिए तैयार होने में उनकी मदद करें। कुछ सुझाव देना चाहूँगा जो आपकी मदत करेंगे।

• अपनी रोज की आदतों को पुनःस्थापित करें

क्योंकि अब स्कूल फिर से शुरु हो गये है, तो हमे भी स्कूल के दिनों की ताल के अनुसार अपने आपको ढालना होगा। आदर्शतः, स्कूल के समय आप भी अपने बच्चे के साथ ही सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना और अल्पाहार ठीक समय पर खाए। जरुरी है आप अपने बच्चे को सुहब जल्द घर छोड़ने की आदत दिलाए, इसके लिए आप सुबह की गतिविधियों की योजना एक हफता पहले या स्कूल से दो दिन पहले ही करले।

• स्वावलम्बी परवरिश

एक बार जब स्कूल का दरवाजा बंद होता है, तो ऐसी बहुत सी चीजें है जो आपके बच्चे को अपने आप ही संभालनी होगी। तो अभी से अपने बच्चे को जिम्मेदारीयों की बातें बताके उसे स्वावलम्बी बनाए और उसे यह एहसास दिलाए कि अब वह इन चिजों को संभालने के लायक है। इन बातों में, उसके स्कूल की चीजों का प्रबंध करना होगा, या जो स्कूल में सिखाया जाता है उसे लिखना, और गृहकार्य (होम वर्क) लिखकर लाना होगा।

• एक निश्चित स्थान नियुक्त करना

एक बच्चे को जिम्मेदार बनाने के लिए, माता, पिता और शिक्षक, हर वो मुमकिन कोशिश करें जो वो कर सकते है। घर पर, आप अपने बच्चे को एक ऐसी जगह नियुक्त कर के दे जहाँ वो अपने स्कूल की सारी चीजें और अपना खाने का डिब्बा रखे ताकि आप सुबह होनेवाली भागदौड़ से बच जाए।

• इसे एक परिवारीक कार्य बनाए

आप और आपका बच्चा मिलकर स्कूल में सफलता पाने की योजना कर सकते है। अपने बच्चे के साथ बैठकर रोज के कार्यों की सूची बनाए। अपने बच्चे से पूछियें कि वह स्कूल से लौटने के बाद क्या करना पसंद करेगाः खेलना या गृहकार्य (होम वर्क) करना? तो उसका जवाब उस सूची पर लिखा जाएगा। जितना ज्यादा आप अपने बच्चों को अपनी कार्य सूची बनाने और अपेक्षा रखने का अधिकार देते हो, उतनी ही दिलचस्पी से वो उस कार्य को करेंगे और उसका पालन करेंगे।

अंत मे, जो भी निश्चय आपने किया है, उनके विषय में प्रार्थना करो। परमेश्वर से कहो कि वे आपकी मदत करें ताकि आप, जो आपके लिए और आपके बच्चे के लिए सही है, वह चुनने मे आपकी मदत करें। हो सकता है कि जो आपने सीखा था वह शायद आप भूल भी जाओ परंतु याद रखो, सच्ची शिक्षा वो ही है, जो आपके साथ हमेशा रहती हैं। तो परमेश्वर आपको आशिर्वादित करें।

– संपादकीय डेस्क

गवाहियाँ

गवाहियाँ

येशू की वजह से जो बदलाव मेरे जीवन मे हुए हैं, मै उन बातों की गवाही देना चाहती हूँ। अकेले और अपने आप सफर करने से मुझे बहुत डर लगता था। इसका नतीजा ऐसे होता की अक्सर सफर से पहले मै बिमार हो जाती थी। मैने महसूस किया कि ऐसा मेरे साथ केवल उस डर की वजह से हो रहा है, जो मेरे अंदर है – ऐसा डर जो विश्वास से भी बडा था। मै जहाँ भी जाती, ये मेरे साथ ही होता था। ऐसा लग रहा था जैसे ये डर, मुझे अपनी जिंदगी कभी जीने ही नहीं देगा। फिर मैने अपना विश्वास और भरोसा येशू मसीह में रखा और प्रार्थना करते हुए कहा कि वे मेरे डर पर हाबी पाए और मुझे इससे आजाद कर दे। और तब से मै बहुत ही शांत और तनाव रहित हो गयी हूँ और सफर के दौरान जो डर और तनाव मै महसूस किया करती थी मुझे उससे भी मुक्ति मिल गयी। ८ महीनों से अधीक मै पीठ, कंधे और गरदन के दर्द से पीड़ित थी। मैने येशू में विश्वास रखा और सबकुछ उनके हवाले कर दिया। प्रार्थनासभा के बाद मैने महसूस किया कि मेरा सारा दर्द चला गया है। जब विश्वास हो अंदर, तब सारा डर हो बाहर! मै येशू से, उनकी करुणा, और उनके अनुग्रह से प्यार करती हूँ। धन्यवाद येशू। हल्लिलूय्याह!

– सिद्धिका लाहोरी

लगभग एक साल से मै बाल झडने की समस्या से पीड़ित थी, और पिछले तीन महीनों से बहुत ही बुरा हाल था। मै ने बहुत सी दवाइयाँ इस्तमाल की और अपना शैंपू और कन्डिशनर भी बदले। हर बार जब ब्रदर मैन्युएल उन लोगों के लिए प्रार्थना करते जिन्हें बाल झडने की समस्या थी, तब मै येशू का लहु अपने सिर पर लगाती थी, लेकिन बहुत थोड़े विश्वास के साथ। लेकिन, हाल ही में, जो स्त्री मेरे बालों की देखभाल करती है, मुझे उस से पता चला, कि मेरे सिर पर बहुत से नये बालों का विकास हो रहा है और वो उतने ज्यादा है कि उसे विश्वास नहीं हो रहा। और मेरे बड़े भाई जो ५१ उम्र के है, उनकी कम्पनी बंद हो जाने की वजह से अपनी नौकरी खो बैठे। और इस उम्र में नई नौकरी मिलना कठीन है, लेकिन मैने उनसे कहा कि वे अपनी आशा ना खोए। मैने उनके लिए प्रार्थना की और कुछ ही हफ्तों में उन्हें नौकरी मिल गयी। मै गवाही देना चाहती हूँ कि मेरे पति को साँस लेने में तकलिफ होती थी और अब उन्हें भी चंगाई मिल गयी है। परमेश्वरने हमारे रिश्ते को आशिर्वादित किया है और हम खुश है। मै सारी चीजों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करती हूँ।

– बिनीता रॉय

मै कॉल सेंटर में काम करता हूँ। पहले तो मै बैक ऑफिस में काम किया करता था, परंतु अब मै वॉइस प्रॉसेस में हूँ। शुरुआत में बात करते हुए मुझे बहुत मुश्किल हुई, क्योंकि मेरा संवाद कुछ खास नहीं था। प्रॉसेस ट्रेनिंग के दौरान, मुझे बहुत ही कम अंक मिल। मै धोकेबाज, चोर, शराबी था। मुझ में बहुत से दोष थे, लेकिन यहाँ आने के बाद पता नहीं कैसे मै बदलने लगा। मै एक जानवर हुआ करता था लेकिन परमेश्वरने ब्रदर मैन्युएल जैसे इन्सान को भेजा, उन्होंने इस जानवर को सुधारा और फिर से इन्सान बनाया। कभी कभी मै अपने आपको आयने में देखता हूँ और कहता हूँ कि ये मै नहीं हूँ। मै नरक में जी रहा था लेकिन मुझे स्वर्ग में खींचा गया। मै हमेशा डरता था कि मै अपनी नौकरी खो बैठूँगा। लेकिन येशू के लहू में सहभागी होते ही, मेरा सारा डर चला गया है। जी हाँ, मुझे आज भी समस्या है, लेकिन मै जानता हूँ कि परमेश्वर सबकुछ संभाल लेंगे।

– ब्रुस डिसोजा

GAL INTERNATIONAL SCHOOL

Admission Open

Play-School & Nursery (Jr. & Sr. KG)

89/B, Severina Villa, Opp. Laxmi Hotel, Bazaar Rd, Bandra (W), Mumbai - 50.
Call : 98198 19771 / 98331 53503

ठाणे शुभसमाचार घोषणा
जुलाई २०, २०१३
बुधवार
इंडियन ऐड्युकेशन सोसायटी
मानिक सभा ग्रिहा
लिलावती हस्पताल के सामने,
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–४०००५०, भारत
समयः शाम ५ बजे

मुंबई ध्यानसभा (रिट्रिट)
अगस्त २–३, २०१३
मुख्यकार्यालय
एस–4, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लोट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई–४०००५०,
भारत

गोवा शुभसमाचार घोषणा
अगस्त ९–११, २०१३
भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई – ४०००५०, भारत
दुबई
पी.ओ. बोक्स १७८८०
फोन नंः +९७१५०६५०७५१७

रविवार सब्त
श्याम ४ से ८ बजे तक

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers